भागअ- परिचय			
कार्यक्रम: स्नातक प्रमाणपत्र	**कक्षा: बी.ए.**	**वर्ष :** प्रथम वर्ष	**सत्र : 2025-2026**

	विषय: समाजशास्त्र	
1	**पाठ्यक्रम का कोड**	C 1
2	**पाठ्यक्रम का शीर्षक**	समाजशास्त्र की मूल अवधारणाएँ
3	**पाठ्यक्रम का प्रकार : (कोरकोर्स/ इलेक्टिव/ जेनेरिक इलेक्टिव/ वोकेशनल)**	**कोर कोर्स**
4	**पूर्वापेक्षा (Prerequisite) (यदि कोई हो)**	उच्च माध्यमिक प्रमाणपत्र : किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से 10+2 या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण करना ।
5	**पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)**	1.समाजशास्त्र के सभी मूल अवधारणाओं को सम्मिलित करते हुए पाठ्यक्रम की रचना की गयी है , जो कि विद्यार्थियों को सामाजिक प्रघटनाओं को समझने एवं वैज्ञानिक तरीके से विश्लेषण करने योग्य बनाता है। समाजशास्त्रीय अवधारणाओं का अध्ययन विद्यार्थियों को समाज के बारे में बेहतर समझ से युक्त करता है। 2. इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से विद्यार्थी भारतीय ज्ञान परम्परा में निहित समाजशास्त्रीय परिप्रेक्ष्य एवं वर्तमान भारत में उसके महत्व को जान सकेंगे।विद्यार्थी भारतीय शास्त्रीय पाठ्यों में वर्णित सामाजिक दर्शन से परिचित हो सकेंगे। 3. यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को एक विषय के रूप में समाजशास्त्र तथा भारत में इस के विकास की जानकारी देता है। 4. इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से विद्यार्थी विभिन्न क्षेत्रों जैसे सामाजिक नीति कल्याण एवं एन जी ओ इत्यादि में समाजविज्ञान विशेषज्ञ के रूप कैरियर अवसरों को तलाश सकेंगे। 5 समाजशास्त्र की प्राथमिक अवधारणाओं का व्यवस्थित अध्ययन विद्यार्थियों में वास्तविक जीवन की परिस्थिति में सामाजिक प्रघटनाओं के बारे में विद्यार्तियों में विश्लेषणत्मक सोच को विकसित करता है। 6. इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से विद्यार्थी व्यक्ति एवं समाज के मध्य सम्बंध को समझने में सक्षम होंगे। 7. यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को सामाजिक संरचना एवं सामाजिक व्यवस्थाओं के विभिन्न स्वरूपों एवं उसके निहितार्थ के प्रति विश्लेषणात्मक समझ की अंतर्दृष्टि प्रदान करता है।

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

6	क्रेडिटमान	6	
7	कुलअंक	अधिकतम अंक: 30+70	न्यूनतम उत्तीर्ण अंक: 35

भागब- पाठ्यक्रम की विषयवस्तु

व्याख्यान की कुल संख्या- ट्यूटोरियल- प्रायोगिक (प्रतिसप्ताह घंटे में):L-T-P: 02-00-**00=** प्रति सप्ताह

इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या (01 घण्टा)
प्रथम	**सामाजिक संरचना एवं व्यवस्था (अर्थ, विशेषताएं, प्रकार एवं आधार)** 1. समाज की भारतीय अवधारणा: त्रिस्तरीय सामाजिक संरचना, अरणयक ग्राम्य एवं नागर (नगरीय) 2. सामाजिक व्यवस्था	**18**
	सार बिन्दु-सामाजिक संरचना, प्रकार्य, प्रस्थिति एवं भूमिका, सामाजिक व्यवस्था	
	गतिविधि -रामचरित मानस ग्रंथ का उपरोक्त संकल्पनाओं में से किसी एक पर आधारित अन्र्तवस्तु विश्लेषण अथवा उपरोक्त संकल्पनाओं पर कक्षा में समूह चर्चा।	
द्वितीय	**भारतीय ज्ञान परम्परा में निहित सामाजिक चिन्तन** 1. भारतीय दर्शन में सामाजिक चिन्तन के मूल तत्व 1.1. एकात्मबोध 1.2. स्वधर्म 1.3. सामाजिक समरसता 1.4. सामुदायिकता	18
	सार बिन्दु-एकात्म बोध, स्वधर्म, सामाजिक समरसता, सामुदायिकता	
	गतिविधि -भारतीय ज्ञान परम्परा प्रकोष्ठ में उपलब्ध ' ग्रह्य सूत्र' ग्रन्थ एवं विवेकानंद साहित्य का पुस्तकालय अध्ययन एवं प्रतिवेदन तैयार करना।	
तृतीय	**समाजशास्त्र का परिचय** 1. समाजशास्त्र : अर्थ, परिभाषा, प्रकृति, विषयक्षेत्र एवं महत्व 2. समाजशास्त्र की उत्पत्ति समाजशास्त्र का विकास (भारत के संदर्भ में) 3. समाजशास्त्र एवं व्यवसाय	18
	सार बिन्दु-समाजशास्त्र की प्रकृति,विषयक्षेत्र उत्पत्ति, विकास भारत के संदर्भ में ।	
	गतिविधि -समाजशास्त्र से संबंधित भारत के प्रमुख अध्ययन केन्द्रों एवं परिषदों की जानकारी पर आधारित परियोजना कार्य।	
चतुर्थ	**समाजशास्त्रीय अवधारणाएँ (अर्थ, विशेषता, प्रकार,अन्तर)** 1. समाज एवं समुदाय	18

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

	2. समिति एवं संस्था 3. सामाजिक समूह	
	सार बिन्दु-समाज, समुदाय, समिति, संस्था, सामाजिक समूह।	
	गतिविधि -समीप स्थित किसी समुदाय, समिति, संस्था या सामाजिक समूह के अध्ययन पर आधारित आलेख रचना।	
	सार बिन्दु-सामाजिक संरचना, प्रकार्य, प्रस्थिति एवं भूमिका, सामाजिक व्यवस्था	
	गतिविधि -रामचरित मानस ग्रंथ का उपरोक्त संकल्पनाओं में से किसी एक पर आधारित अन्तर्वस्तु विश्लेषण अथवा उपरोक्त संकल्पनाओं पर कक्षा में समूह चर्चा।	
पंचम	**संस्कृति एवं मूल्य प्रतिमान** 1. संस्कृति: अर्थ, विशेषताएं, प्रकार, उपादान 2. सांस्कृतिक विलम्बना की अवधारणा 3. संस्कृति एवं सभ्यता 4. सामाजिक आदर्श मूल्य एवं प्रतिमान	18
	सार बिन्दु-संस्कृति, उपादान, सांस्कृतिक विलम्बना, सभ्यता, आदर्श मूल्य, प्रतिमान।	
	गतिविधि -पंचतन्त्र, हितोपदेश, लोकोक्तियों में उल्लेखित उपरोक्त अध्यायों पर आधारित चित्रमय चार्ट निर्मित करना।	
	कुल व्याख्यान	90 घण्टें

भागस- अनुशंसित अध्ययन संसाधन

अनुशंसित पुस्तकें/ सहायक पुस्तकें/अन्य पाठ्य संसाधन/ पाठ्य सामग्री :

1. आहूजा राम ,अहूजा मुकेश(2008): समाजशास्त्र विवेचन एवं परिप्रेक्ष्य, रावत पब्लिकेशन, जयपुर.
2. भदौरिया एस.एस., पाटिल अशोक डी.(2021), समाजशास्त्र की प्राथमिक अवधारणाएं मध्य प्रदेश हिंदी ग्रंथ अकादमी भोपाल
3. दीक्षितध्रुव कुमार: समाजशास्त्र की बुनियादी अवधारणाओं का परिचय,आगरा बुक इंटरनेशनल, आगरा.
4. गुप्ता बजरंग लाल,भाला लक्ष्मी नारायण (2018): विवेकानंद के सपनों का भारत प्रभात पब्लिकेशन दिल्ली
5. कृष्ण गोपाल:(2013): भारत की संत परंपरा और सामाजिक समरसता, मध्य प्रदेश हिंदी ग्रंथ अकादमी भोपाल
6. खन्नै पी.पी. धर्म शास्त्र का इतिहास 5 Vol.Hindi and english version
7.मोदी नरेंद्र, (संपादक) मकवाना किशोर:सामाजिक समरसता प्रभात प्रकाशन, नई
8. नागला बी.के. (2006)समाजशास्त्र एक परिचय, हरियाणा हिंदी ग्रंथ अकादमी
9. सिंह जे.पी.(2011):समाजशास्त्र के मूल तत्व,पीएचआई लर्निंग पब्लिकेशन दिल्ली
10. शर्मा आचार्य श्री राम (संपादित):गृह्य सूत्र, संस्कृति संस्थान बरेली उत्तर प्रदेश
11. त्रिवेदी, डॉ राजेन्द्र कुमार, उपनिषद कालीन समाज एवम संस्कृति परिमल पब्लिकेशन, दिल्ली,अहमदाबाद
12. Bottomore, T.B. (1972): Sociology: A Guide to Problems and Literature, Bombay: George Allen

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

and Unwin (India).
13. Fulcher & Scott (2003): Sociology, New York: Oxford University Press.
14. Giddens, Anthony (2005): Sociology, Polity Press.
15. Harlambos & Holborn (2000): Sociology, London: Harper-Collins.
16. Inkeles, Alex (1987): What is Sociology? New Delhi: Prentice-Hall of India.
17. MacIver and Page (1974): Society: An Introductory Analysis, New Delhi: Macmillan & Co.
18. Rawat H.K.(2015): Sociology Basic Concept.,Rawat Publication,Jaipur.
19.Shankar Rao C.N.(2019): Sociology - SChand & Co.ltd. New Delhi.
शब्दकोश -
Nicholas Abercrombie Stephen Hill Bryan S. Turner:The Penguin Dictionary of SOCIOLOGY
दुबे अभय (संपादित): समाज विज्ञान विश्वकोश भाग 4 राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली
सिंह जे.पी. :समाज विज्ञान विश्व कोश पी एच आई लर्निंग पब्लिकेशन

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम:

https://nios.ac.in/online-course-material/sr-secondary-courses/Sociology-(331).aspx

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रमः

IGNOU & Other centrally/state operated Universities / MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad.

भागद-अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:

अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियां:

अधिकतम अंक: 100

सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) अंक : 30

विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंक: 70

आंतरिक मूल्यांकन: **सतत व्यापक मूल्यांकन** (CCE): 30	क्लासटेस्ट असाइनमेंट/ प्रस्तुतीकरण (प्रेजेंटेशन)	**कुल अंक : 30**
आकलन : 70 **विश्वविद्यालयीन परीक्षा**: समय- 03.00 घंटे	**अनुभाग (अ): तीन अति लघु प्रश्न (प्रत्येक 50 शब्द)** **अनुभाग (ब): चार लघु प्रश्न (प्रत्येक 200शब्द)** **अनुभाग (स): दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक 500 शब्द)**	**कुल अंक** 70

कोई टिप्पणी/सुझाव:

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

Part A Introduction			
Program: U.G. Certificate	**Class: B.A.**	**Year: First Year**	**Session:2025-26**

Subject: Sociology		
1	**Course Code**	**C 1**
2	**Course Title**	**BASIC CONCEPTS OF SOCIOLOGY**
3	**Course Type (Core Course/Elective/ Generic Elective/Vocational/)**	**Core course**
4	**Pre-requisite (if any)**	Higher Secondary Certificate : Completion of 10+2 Or equivalent examination from a recognized board.
5	**Course Learning Outcomes (CLO)**	1.The course is designed to incorporate all the key concepts of sociology which would enable the students to understand and analyze social phenomenon in Scientific manner. Studying sociological concepts equips students with better understanding about society 2. By studying this course , students would be able to know about social perspectives embedded in Indian Knowledge System and its importance in contemporary India. The students would be aware about social philosophy described in classical Indian texts. 3. This course gives knowledge to students about sociology as subject and its development in India. 4. By studying this course students may explore career opportunity as social science expert in various fields like social policy , welfare and NGO etc. 5. The systematic study of basic concepts of sociology develop analytical thinking among students about social phenomenon in real life situation . 6 By studying this course students would be able to understand the relationship between individual and society. 7. This course gives an insight to students towards analytical understanding of various forms of social structure and social systems and its implications.

Department of Higher Education

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

6	**Credit Value**	06	
7	**Total Marks**	Max. Marks: 30+70	Min. Passing Marks:35
Part B-Content of the Course			
TotalNo.ofLectures-Tutorials-Practical(inhoursperweek):L-T-P:02-00-00=			
Unit	**Topics**	**No.ofLectures (1 Hour Each)**	
I	Social Structure and System (Meaning, characteristics, Types and base) 1- Indian concept of society las three their social structure-Arayak village and Nagar (Urban) 2- Social System	**18**	
	Keyword- Social Structure, Social Function, Status and role, Social system		
	Activity - Content analysis of any one of above mentioned concepts based on the study of ramcharitmans.		
II	Social Perspective embedded in the indian knowledge System 1. The Fundamental elements of Social thought in indian philosophy 1.1- Realization of oneness (Ekatmbodh) 1.2- Swadharma 1.3- Social Harmony 1.4- Community Sprit (Samudayikta)	**18**	
	Keyword- Ekatmbodh, Swadharma, Samadaikta		
	Activity - Library Study work of 'Vivkananda Sahitya' and 'Grahya sutra' available in indian knowledge system Cell.		
III	Introduction of Sociology 1-Sociology : Meaning, definition, nature, Scope and importance. 2- Origin of Sociology, Development Sociology (With special reference to india. 3- Sociology and occupation	**18**	
	Keyword- Nature of Sociology, Scope, Origin, development with special reference to india.		
	Activity - Project work based on the information of major study centers and councils of india related with sociology.		
IV	Sociological concepts (meaning, characteristics, types) 1- Society and Community 2- Association and Institution 3- Social Group	**18**	
	Keyword- Society, Community, Association, Institution, Social Group		

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

	Activity - Assignment based on the study of any nearest community, Association, Institution or Social Group. Content analysis of any one of above mentioned concepts based on the study of Ramcharitmans.	
V	Culture and Values Paradigm 1- Culture : Meaning, characteristics, types, components 2- Concept of cultural lag 3- Culture and Civilization 4- Social norms, values and paradigm.	**18**
	Keyword- Culture ,Components, cultural lag, Civilization, norms, values, paradigm.	
	Activity - Creating a diagrammatic chart based on the chapters mentioned in Panchatartra, Hitopadisha and proverbs.	
	Total Lectures	**90 Hours**

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

Part C-Learning Resources
Text Books, Reference Books, Other resources

Suggested Readings:

1. आहूजा राम ,अहूजा मुकेश(2008): समाजशास्त्र विवेचन एवं परिप्रेक्ष्य, रावत पब्लिकेशन, जयपुर.
2. भदौरिया एस.एस., पाटिल अशोक डी.(2021), समाजशास्त्र की प्राथमिक अवधारणाएं मध्य प्रदेश हिंदी ग्रंथ अकादमी भोपाल
3. दीक्षितध्रुव कुमार: समाजशास्त्र की बुनियादी अवधारणाओं का परिचय,आगरा बुक इंटरनेशनल, आगरा.
4. गुप्ता बजरंग लाल,भाला लक्ष्मी नारायण (2018): विवेकानंद के सपनों का भारत प्रभात पब्लिकेशन दिल्ली
5. कृष्ण गोपाल:(2013): भारत की संत परंपरा और सामाजिक समरसता, मध्य प्रदेश हिंदी ग्रंथ अकादमी भोपाल
6. खन्नै पी.पी. धर्म शास्त्र का इतिहास 5 Vol.Hindi and english version
7.मोदी नरेंद्र, (संपादक) मकवाना किशोर:सामाजिक समरसता प्रभात प्रकाशन, नई
8. नागला बी.के. (2006)समाजशास्त्र एक परिचय, हरियाणा हिंदी ग्रंथ अकादमी
9. सिंह जे.पी.(2011):समाजशास्त्र के मूल तत्व,पीएचआई लर्निंग पब्लिकेशन दिल्ली
10. शर्मा आचार्य श्री राम (संपादित):गृह्य सूत्र, संस्कृति संस्थान बरेली उत्तर प्रदेश
11. त्रिवेदी, डॉ राजेन्द्र कुमार, उपनिषद कालीन समाज एवम संस्कृति परिमल पब्लिकेशन, दिल्ली,अहमदाबाद
12. Bottomore, T.B. (1972): Sociology: A Guide to Problems and Literature, Bombay: George Allen and Unwin (India).
13. Fulcher & Scott (2003): Sociology, New York: Oxford University Press.
14. Giddens, Anthony (2005): Sociology, Polity Press.
15. Harlambos & Holborn (2000): Sociology, London: Harper-Collins.
16. Inkeles, Alex (1987): What is Sociology? New Delhi: Prentice-Hall of India.
17. MacIver and Page (1974): Society: An Introductory Analysis, New Delhi: Macmillan & Co.
18. Rawat H.K.(2015): Sociology Basic Concept.,Rawat Publication,Jaipur.
19.Shankar Rao C.N.(2019): Sociology - SChand & Co.ltd. New Delhi.

शब्दकोश -

Nicholas Abercrombie Stephen Hill Bryan S. Turner:The Penguin Dictionary of SOCIOLOGY

दुबे अभय (संपादित): समाज विज्ञान विश्वकोश भाग 4 राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली

सिंह जे.पी. :समाज विज्ञान विश्व कोश पी एच आई लर्निंग पब्लिकेशन

Suggested equivalent online courses:

https://nios.ac.in/online-course-material/sr-secondary-courses/Sociology-(331).aspx

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रमः

IGNOU & Other centrally/state operated Universities / MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad.

Part D-Assessment and Evaluation

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

<table>
<tr><td colspan="4">Suggested Continuous Evaluation Methods:
Maximum Marks:100
Continuous Comprehensive Evaluation (CCE):30 marks University Exam (UE)70marks</td></tr>
<tr><td></td><td>Internal Assessment:
Continuous Comprehensive Evaluation(CCE):30</td><td>Class Test Assignment/Presentation</td><td>30</td></tr>
<tr><td></td><td>External Assessment :
University Exam Section: 70
Time:03.00Hours</td><td>Section(A) Very Short Questions- 3(50 Words)
Section(B):Short Questions -4 (200 Words)
Section(C):Long Questions -2(500 Words)</td><td>70</td></tr>
<tr><td colspan="4">Any remarks/suggestions:</td></tr>
</table>

डॉ. ममता बाजपेयी

अध्यक्ष, समाजशास्त्र

केन्द्रीय अध्ययन मण्डल

महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)